वित्त व्यवस्थापनके बुनियादी आधार

(Basics of Financial Management)

Fin 1. What is Financial Management?

१. वित्त व्यवस्थापन का मतलब क्या है ?

- वित्त व्यवस्थापन का मतलब ``अपने पास जितना धन/पैसा है उससे ज्यादा खर्च नही होगा'' ये तय करना है।
- अगर आप ज्यादा खर्चा करते है तो ये सूचित होता है कि आपने उधार/कर्जा लेके खर्चा किया है। हमेशा अपने साधन सामग्री (संसाधन) ध्यान मे रखते हुए खर्च करना चाहिये।
- बजट मे जीन कार्यो के लिये जितने धन की व्यवस्था की गयी है उसके अनुसार ही खर्च करना चाहिये.
- हमेशा `सही या वास्तविक किमत' को ध्यान मे रखते हुए या व्यवहार्यता को देखते हुए खर्च करना चाहिये।

``कॉस्ट इफेक्टीव्ह'' होना या व्यवहार्य रहना इसका मतलब क्या है ?

कॉस्ट इफेक्टीव्ह होने का मतलब हर परीस्थिती मे अलग अलग होगा। हर संस्था के लिये अलग होगा।

किसी को ऐसा लगेगा की यह कार्यशाला का आयोजन किसी फाइव्ह स्टार होटल मे करना चाहिये। वो सबसे सस्ता फाइव्ह स्टार होटल खोजेंगे और कार्यशाला आयोजित करेंगे। कोई सोचेगा की ये जगह ही ऐसी कार्यशाला के लिये सही है। किसी को ऐसा लगेगा की ये कार्यशाला किसी एन.जी.ओ. मे होती तो ज्यादा अच्छा रहता। और कई लोग ऐसा भी सोचेंगे की अगर यह कार्यशाला किसी गाँव में आयोजित करते तो बहुत कम खर्चे मे हो सकती है। इसलिये कौस्ट इफेक्टीव्ह होने का मतलब सब के लिये अलग अलग है।

कई बार हम ऐसा सोचते है की हम वित्त या फाईनान्स के बारे में कुछ नही जानते। लेकिन यहाँ पर उपस्थित हर व्यक्ती वित्त व्यवस्थापन या फाइनान्स जानता है। आपका सबका व्यक्तिगत बँक अकाउंट है। आप अपने अकाउंट के व्यवहार करते है। आपकी आय या आमदनी का इस्तेमाल करते है। निवेश करते है। अपने जीवन का नियोजन करते है। हर व्यक्ती का अस्तित्व उसके वित्त व्यवस्थापन से जुडा रहता है।